MP Board Class 9th Hindi Navneet Solutions पद्य Chapter 6 शौर्य और देशप्रेम

बोध प्रश्न

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
'हिन्दुस्तान हमारा है' से कवि का क्या आशय है?
उत्तर:
'हिन्दुस्तान हमारा है' से कवि का आशय यह है कि यह देश हमारा है और इस देश की आन-बान शान से हमें प्रेम है।

प्रश्न 2.
हमारा अतिशय मान किसने किया है?
उत्तर:
इतिहास और अतीत ने हमारा अतिशय मान किया है।

प्रश्न 3.
निशीथ का दिया क्या ला रहा है?
उत्तर:
निशीथ का दिया सबेरा ला रहा है।

प्रश्न 4.
स्वतंत्रता का निशीथ का दिया' क्यों कहा है?
उत्तर:
स्वतंत्रता को निशीथ का दिया इसलिए कहा है कि जिस प्रकार दिया रात्रि के अंधकार को नष्ट कर प्रकाश बिखेर देता है उसी तरह स्वतंत्रता से भी हमारे दुःख एवं कष्ट मिट जायेंगे और हम प्रगति करते चले जायेंगे।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
'यह स्वतंत्र भावना का स्वतंत्र गान है' का संकेत किस ओर है?
उत्तर:
'यह स्वतंत्र भावना का स्वतंत्र गान है' से कवि का संकेत है कि हमें स्वतंत्रता के दीपक की हर कीमत पर रक्षा करनी है। चाहे कितने भी आँधी-तूफान, युद्ध-शान्ति, जय-पराजय आकर खड़ी हो जायें तब भी हमारा स्वतंत्रता का दीपक बुझ न पाये और वह जनमानस को सन्मार्ग दिखाता रहे।

प्रश्न 2.
कवि स्वतंत्रता का दीपक किन परिस्थितियों में जलाए रखने की प्रेरणा देता है?
उत्तर:

कवि स्वतंत्रता का दीपक प्रत्येक परिस्थिति में जलाए रखने की प्रेरणा देता है। चाहे घनघोर अँधेरी रात हो, चाहे घनघोर वर्षा हो रही हो और बिजलियाँ कड़क रही हों। शत्रु पक्ष चाहे कितना ही प्रबल क्यों न हो, हमें हर स्थिति में उनसे मुकाबला करना है और इस स्वतंत्रता के दीपक को जलाए रखना है।

प्रश्न 3.
'हिन्दुस्तान हमारा है' एवं 'स्वतंत्रता का दीपक' कविताओं में कौन-सा रस है? उदाहरण देकर समझाइए।
उत्तर:
'हिन्दुस्तान हमारा है' एवं 'स्वतंत्रता का दीपक' कविताओं में वीर रस है।
'हिन्दुस्तान हमारा है' कविता में वीर रस का उदाहरण यह है-
गरज उठे चालीस कोटि-जन, सुन ये वचन उछाह भरे,
काँप उठे प्रतिपक्षी जनगण, उनके अंतस्तल सिहरे;
आज नये युग के नयनों से, ज्वलित अग्निपुंज झरे,
कौन सामने आएगा? यह देश महान हमारा है।

'स्वतंत्रता का दीपक' कविता में वीर रस का उदाहरण यह है-
घोर अंधकार हो, चल रही बयार हो,
आज द्वार-द्वार पर यह दिया बुझे नहीं।

अथवा
लड़ रहा स्वदेश हो, शान्ति का न लेश हो,
क्षुद्र जीत-हार पर यह दिया बुझे नहीं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
'हिन्दुस्तान हमारा है' कविता में भारतीय इतिहास का चित्रण है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।
उत्तर:
'हिन्दुस्तान हमारा है' कविता में कवि ने भारतीय इतिहास का चित्रण किया है। हमारा अतीत हमें बताता है कि हमने समय-समय पर अनेकानेक क्रान्तियों को जन्म दिया है और उन क्रान्तियों के द्वारा हमने नये इतिहास को जन्म दिया है तथा इतिहास ने भी हमारा सदैव मान रखा है। हमारा अतीत का इतिहास बहुत ही गौरवशाली रहा है, हमने बड़े-से-बड़े शत्रु को भी युद्धक्षेत्र में मुँह की खिलाई है और अपनी स्वतंत्रता की रक्षा की है।

प्रश्न 2.
भारत की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखने के लिए कवि का क्या संदेश है?
उत्तर:
भारत की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण करने के लिए कवि ने सभी देशवासियों से देश के लिए सदैव बलिदान देने के लिए तैयार रहने को कहा है। साथ ही यह प्रतिज्ञा भी कराई है कि हमें खुद तो स्वतंत्र रहना ही है चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी विषम क्यों न हों साथ-ही-साथ हमें सम्पूर्ण मानवता को भी बुराइयों से मुक्ति दिलाने का प्रयास करने को कहा गया है।

प्रश्न 3.
"स्वतंत्रता शहीदों के पुण्य प्राण-दान का प्रतिफल है" स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

हमारा भारत देश अत्यन्त पुरातन है। यह देश विश्व में अपनी वीरता, साहस एवं बलिदान के लिए प्रसिद्ध है। हमने स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अनेक क्रान्तियाँ की हैं। हमारे मार्ग में चाहे कितनी भी विपत्तियाँ आई हों, पर हमने उन सबका पूरी बहादुरी के साथ सामना कर उन पर विजय पाई है। देश की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए देश के वीर सपूतों ने सदैव दुश्मन के दाँत खट्टे किए हैं।

प्रश्न 4.
निम्नलिखित काव्य पंक्तियों की प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए
(अ) विंध्य सतपुड़ा ..... हमारा है।
उत्तर:
कविवर नवीन जी कहते हैं कि हमारे इस देश में विंध्याचल, सतपुड़ा, नागा, खसिया नाम के दो दुर्गम घाट हैं। इस देश के पूरब एवं पश्चिम के ये दो भीमकाय दरवाजे हैं। सदैव अटल रूप में खड़ा रहने वाला हिमालय पर्वत है। इस पर्वत का शिखर सबसे ऊँचा है। ऐसा पर्वतराज हिमालय हमारे देश में है जो युगों-युगों से हमारी विजय का प्रतीक बन गया है। यह भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है।

(आ) तीन चार फूल हैं ..... झकोर दे।
उत्तर:
कविवर नेपाली कहते हैं कि चाहे हमारे पास तीन-चार ही फूल क्यों न हों अर्थात् हमारी सुविधाएँ चाहे जितनी सीमित हों और चारों ओर धूल बिखरी हो अर्थात् अभाव इकट्ठे हो रहे हैं। चाहे हमारे चारों ओर बाँस हों या बबूल हों या घास की मेड़ें उग रही हों, चाहे वायु हमें हिलोरें देकर हर्षित करती रहे, अथवा वह आँधी बनकर हमें झकझोर डाले। चाहे संघर्ष करते-करते हमारी कब्र बन जाये अथवा कोई मजार बन जाये तो भी आजादी का यह दीप बुझे नहीं क्योंकि यह किसी बलिदानी के पुण्यों का प्राणदान है।

काव्य-सौन्दर्य

प्रश्न 1.
निम्नलिखित पंक्तियों का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए
(अ) शक्ति का दिया ..... दिया हुआ।
उत्तर:
भाव-सौन्दर्य-इस पंक्ति में कवि का आशय यह है कि यह जो स्वतंत्रता का दीपक है. वह शक्ति प्रदान करने वाला है और यह पूर्ण भाव से शक्ति बनकर ही हमारे सम्मुख आया है।

(आ) यह अतीत ..... प्रार्थना।
उत्तर:
भाव-सौन्दर्य-कवि का कथन है कि स्वतंत्रता का यह दीपक अतीत की कल्पनाओं से भरा हुआ है तथा यह विनम्र प्रार्थना के रूप में हमारे सामने है।

(इ) यह किसी ..... प्राण-दान है।
उत्तर:
भाव-सौन्दर्य-कवि का कथन है कि यह स्वतंत्रता का दीपक किसी बलिदानी शहीद द्वारा किये गये पुण्यदान का प्रतीक है। कहने का भाव यह है कि बलिदानी वीरों ने अपना बलिदान देकर ही इसकी रक्षा की है।

प्रश्न 2.
स्वतंत्रता का दीपक कविता में निम्नलिखित शब्द किस ओर संकेत करते हैं? इन शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग भी कीजिए
निशीथ, विहाने, बिजलियाँ, आँधियाँ।
उत्तर:
(i) निशीथ-घनघोर काली रात। :
वाक्य प्रयोग-आज हमारे देश की स्वतंत्रता पर सरहदों से निशीथ घिरती आ रही है।
(ii) विहान-नया सवेरा :
वाक्य प्रयोग-यदि हम सभी देशवासी प्रतिज्ञा कर लें कि हमें अपने देश को उन्नत बनाना है तो निश्चय ही हमारे देश में नया विहान आ जाएगा।
(iii) बिजलियाँ और आँधियाँ :
विभिन्न दिशाओं से आने वाले संकटों की ओर इशारा करती हैं।

वाक्य प्रयोग :
चाहे हमारे स्वतंत्रता के मार्ग में कितनी भी बिजलियाँ कड़कें अथवा तेज आँधियाँ आएँ पर हमारी एकजुटता के सामने वे हमारा बाल भी नहीं बिगाड़ सकतीं।

प्रश्न 3.
'स्वतंत्रता का दीपक में स्वतंत्रता' उपमेय और 'दीपक' उपमान है। इस स्थिति में यहाँ कौन-सा अलंकार है?
उत्तर:
रूपक अलंकार।

प्रश्न 4.
'स्वतंत्रता का दीपक' में दिया गया शब्द का एक ही पंक्ति में दो बार प्रयोग हुआ है और उसके अलग अर्थ हैं अतः उस पंक्ति को छाँटकर लिखिए तथा उसमें प्रयुक्त अलंकार का नाम भी लिखिए।
उत्तर:
शक्ति का दिया हुआ, शक्ति को दिया हुआ। इस पंक्ति में शक्ति दो बार आया है और दोनों का अलग-अलग अर्थ है। अतः यहाँ यमक अलंकार है।

प्रश्न 5.
'स्वतंत्रता का दीपक' एवं 'हिन्दुस्तान हमारा है' कविता में कौन-सा रस है? उदाहरण देकर समझाइए।
उत्तर:
इसके उत्तर के लिए लघु उत्तरीय' प्रश्नों में से प्रश्न 3 का उत्तर देखें।

https://www.evidyarthi.in/